Lineage (वंश)

एक ऐसे रक्तमूलक एकपक्षीय समूह को वंश कहते हैं, जिसके सदस्य किसी ज्ञात पूर्वज से अपने पीढीगत संबंधों की खोज करते हैं| वंश का अधिष्ठाता कोई काल्पनिक पात्र ना होकर वास्तविक व्यक्ति होता है |वंश की सदस्यता रक्त संबंधों पर आधारित होती है| वंश परिवार से बड़ा वगोत्र से छोटा समूह होता है|

- रेडक्लिफ ब्राउन के अनुसार -वंश शब्द का प्रयोग उन सदस्यों के लिए किया है जो किसी समय विशेष में जीवित होते हैं|
- थियोडोरसन के अनुसार - वंश एकपक्षीय समरक्त वंशानुक्रम समूह है जिसके सदस्य अपने उत्पत्ति किसी ज्ञात पूर्वज से बताते हैं |

वंश स्वजनों कि उस इकाई का नाम है जो जैविक एवं आनुवंशिकता के द्वारा बंधे हुए होते हैं , वंश वृद्धि सीधी रेखा में होती है वंश की तुलना बांस के वृक्ष से की जाती है| वंश में एक पीढ़ी का दूसरी पीढ़ी से संबंध परिवारों को बांस की गांठ की तरह जोड़ता है| इस जुड़ाव के अनुक्रम को वंशानुक्रम कहा जाता है व इस तरह से जुड़े परिवारों के योग को वंश परंपरा की संज्ञा दी जाती है| वंश में सम्मिलित प्रत्येक परिवार अपना परिचय वंश के किसी प्रसिद्ध एवं ज्ञात व्यक्ति से देता है, जिसे वह अपने परिवार का संस्थापक मानता है|

इरावती कर्वे के अनुसार संस्कृत भाषा में कुल, वंश एवं गोत्र शब्दों का प्रयोग समनार्थक रूप में हुआ है जो कि पितृपक्ष के परिवारों के लिए किया गया है| वंश को परिभाषित करते हुए उन्होंने कहा है वंश पिता से पुत्र की ओर आने वाली उत्तरोत्तर वंशानुक्रम रेखा का नाम है|

वंश की विशेषता :-

1. सामान्य ज्ञात पूर्वज
2. एक पक्षीय समूह
3. सम रक्त समूह
4. बहिर्विवाही समूह
5. अनेक पीढ़ियां